

कैसा प्यारा ये दरबार है,
जहाँ भक्तों की भरमार है,
सबके मालिक ये सरकार है,
जिनकी दुनिया को दरकार है,
कैसा प्यारा ये दरबार हैं ॥

तर्ज ये तो सच है की भगवान है ।

तेरे दरबार में,
सबको हर सुख मिले,
तेरी किरपा से ही,
श्याम जीवन चले,
ऐसी दानी है दातार है,
सब के भर देते भंडार है,
सबके मालिक ये सरकार है,
जिनकी दुनिया को दरकार है,
कैसा प्यारा ये दरबार हैं ॥

श्याम साथी हो तो,
काम अटके नहीं,
और मजधार में,
कभी भटके नहीं,
अपने भक्तों पे करने दया,
रहते हर दम ये तैयार है,
सबके मालिक ये सरकार है,

जिनकी दुनिया को दरकार है,
कैसा प्यारा ये दरबार हैं ॥

जो भी आए यहाँ,
सच्चे विश्वास से,
खाली लौटे नहीं,
दानी के पास से,
ओम चरणों में संसार है,
यहाँ अमृत की बौछार है,
सबके मालिक ये सरकार है,
जिनकी दुनिया को दरकार है,
कैसा प्यारा ये दरबार हैं ॥

कैसा प्यारा ये दरबार है,
जहाँ भक्तों की भरमार है,
सबके मालिक ये सरकार है,
जिनकी दुनिया को दरकार है,
कैसा प्यारा ये दरबार हैं ॥

स्वर मयंक अग्रवाल ।

Source: <https://www.bharattemples.com/kaisa-pyara-ye-darbar-hai-bhajan/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>